SSLC Model Hin Exam Feb 2020 Ans

1. गुठली रोने लगी। क्यों? 1

ग) कार्ड में गुठली का नाम नहीं था।

2. माँ ने गुठली से अपना प्यार कैसे प्रकट किया? 2

दीदी की शादी के कार्ड में गुठली का नाम छपा नहीं था। इससे दुखी होकर गुठली शिकायत करने और रोने लगी। तब उसका नाम कलम से लिख जोड़कर माँने अपना प्यार प्रकट किया।

3. कार्ड में गुठली का नाम नहीं था। वह दुखी हुई। उसकी डायरी कल्पना करके लिखें। 4

तारीखः .....

आज दीदी की शादी का कार्ड छपके आया। मैं देखने के लिए बहुत उत्सुक थी। लेकिन क्या करें! कार्ड में मेरा नाम नहीं छपा था। उसमें भैया के छोटे बेटे का नाम तक दिया था, जो अभी बोल नहीं पा रहा है। मैं जल्दी ही दाऊजी के पास गई। ताऊजी ने कहा कि घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते। मैं चुप नहीं रही। ताऊजी ने नाराज़ होकर कहा कि तेरा नाम तेरे अपने कार्ड पर छपेगा यहाँ नहीं। विवश होकर मैं रो पड़ी। तब बुआ की टिप्पणी हुई कि शादी के घर में मनहूसियत फैला रही है। मुझे दुखी देकर अंत में माँ ने कलम से कार्ड पर मेरा नाम लिख दिया। छपाई जैसे नहीं होने पर भी माँ के प्यार से मैं मान गई। ये कब क्या हो रहे हैं! लड़के-लड़कियों के प्रति इतना भेदभाव क्यों?! आज की घटना से मैं बहुत दुखी हुई। यह दिन कभी भूल नहीं सकती।

अथवा

स्थानः.....,

तारीखः .....।

प्रिय संगीता, नमस्कार!

तुम कैसी हो? पढ़ाई अच्छी तरह चल रही है न? घर में सब कैसे हैं? मैं यहाँ ठीक हूँ।

मैं इस पत्र के द्वारा एक दुखी बात सुनाना चाहती हूँ। मेरी बुआ मुझसे कहती है कि तुम्हारा अपना घर ससुराल है, तुम किसी और की अमानत हो आदि। उनके अनुसार यह घर किसी और का है। और उनके उपदेश- ऐसा मत करो, ऐसे पट-पट मत बोलो, ऐसे धम-धम मत चलो- मुझे ज़रा भी पसंद नहीं। मेरे अपने घर को, जहाँ मैं पैदा हुई, अपना घर नहीं तो मैं क्या मानूँ? ऐसी बातों से मैं बहुत दुखी हूँ संगीता। बड़े दुख की बात है कि मेरी माँ भी उनका साथ देती है। मैं तुम्हारा जवाब और उपदेश चाहती हूँ।

शेष बातें अगले पत्र में। माँ-बाप को मेरा प्रणाम। छोटी बहन को प्यार।

तुम्हारी सहेली,

(हस्ताक्षर)

गुठली।

सेवा में

संगीता जैन,

.....,

.....।

4. मैनेजर ने चार्ली को स्टेज पर भेजने के लिए क्यों ज़िद करने लगा? 1

ग) मैनेजर ने चार्ली का अभिनय देखा था।

5. मैनेजर ने चार्ली को स्टेज भेजना चाहा। – मैनेजर और चार्ली की माँ के बीच की बातचीत लिखें। 4

मैनेजरः हैनाजी, देखिए न, दर्शक हल्ला मचा रहे हैं। उनको किसी न किसी तरह शांत कराना होगा।

हैनाः मैं क्या करूँ, गा नहीं पा रही हूँ। मेरी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल गई है।

मैनेजरः लेकिन इसी तरह छोड़ दें तो वे सबकुछ तोड़ देंगे। आपका बेटा है न चार्ली, वह छोटा है लेकिन किसी तरह इन दर्शकों को शांत कराए तो..

हैनाः नहीं जी। पाँच साल का छोटा बच्चा इस उग्र भीड़ को कैसे झेल पाएगा। मैं नहीं मानूँगी।

मैनेजरः हमारे सामने और कोई चारा नहीं है न। इसलिए बता रहा था। क्योंकि मैंने आपके बेटे को आपके मित्रों के सामने अभिनय करते हुए और गीत गाते हुए देखा था। मुझे लगता है कि इस हालत में उसकी सहायता लेना ठीक होगा।

हैनाः लेकिन मैं कैसे बताऊँ, इस छोटे बच्चे को स्टेज पर भेजने के लिए। मुझे डर लग रहा है।

मैनेजरः हम सब तो हैं न। उसे अकेले छोड़कर हम नहीं जा रहे हैं। हम उसको स्टेज पर छोड़ेंगे।

हैनाः मैं क्या बताऊँ सर। और कोई उपाय नहीं तो आपकी मर्जी।

6. *बच्चे सुबह–सुबह काम पर जा रहे हैं।* 1

7. *भयानक पंक्ति में 'भयानक' विशेषण है।* 1

8. बच्चे काम पर जा रहे हैं– कविता की पंक्तियों का आशय 4

बच्चे काम पर जा रहे हैं हिंदी के मशहूर कवि राजेश जोशी की एक अच्छी कविता है। राजेश जोशी की कविताएँ गहरी सामाजिक सच्चाई की कसौटी है। आपके काव्यों में आत्मीयता और गेयता है।

कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चों को काम पर जाते देखकर कवि चिंतित होते हैं। वे बता रहे हैं 'बच्चे काम पर जा रहे हैं ' एक प्रस्ताव की तरह नहीं होना चाहिए, एक सवाल की तरह उठाना चाहिए कि 'काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे'। क्या बच्चों की पढ़ाई की और खेलने की सारी सुविधाएँ नष्ट हो गई हैं। सारी गेंदें, खिलौने, रंग–बिरंगी किताबें आदि नष्ट हो गए हैं। मैदान, बगीचे, घरों के आँगन आदि सब नष्ट हो गए हैं। याने कवि का कहना है कि बच्चों को खेलने और पढ़ने की सुविधाएँ मिलें। नहीं तो बच्चे बचपन से ही वंचित रहते हैं। बालश्रम कानूनी अपराध है। लेकिन बालश्रम नियमों के अनुसार जैसा ही चल रहा है। इसमें कवि अपना दुख व्यक्त कर रहे हैं।

आज के बच्चे कल के नागरिक हैं। उनके सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई का अवसर मिलना चाहिए, खेलने की सुविधाएँ मिलनी चाहिए। बालश्रम के विरुद्ध सामाजिक भावना जगानेवाली यह कविता बिलकुल अच्छी और प्रासंगिक है।

9. 'छोटू सिर्फ छोटू होकर नहीं जीना चाहता।'– इसका मतलब क्या है?

ख) कलाम जैसा बनना।

10. छोटू की कलाकारी की प्रशंसा भाटी सा क्यों करता है? 1

छोटू हर काम अच्छी तरह से करता है। उसके चाय बनाने में जादू है। वह जल्दी ही भाषाएँ सीख लेता है।

इसलिए भाटी सा उसकी कलाकारी की प्रशंसा करता है।

11. वाक्य पिरामिड की पूर्ति– 2

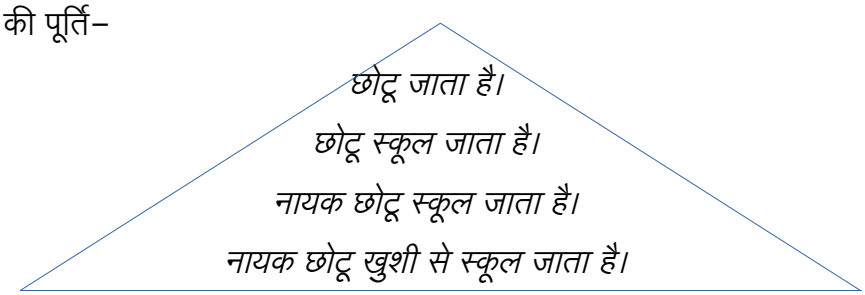

12. सही विकल्प चुनकर लिखें। 1

तू + को = तुझे

13. *साहिल और बेला फुलेरा के जिस स्कूल में पढ़ते हैं वह पाँचवीं तक का है। इसलिए पाँचवीं पास हुए बेला और साहिल को दूसरे स्कूल में जाना पड़ता है। अगले साल बेला राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ेगी और साहिल अजमेर में हॉस्टल में रहकर पढ़ेगा।*

14. पाँचवीं का रिज़ल्ट आया। इस प्रसंग पर पटकथा– 4

दृश्यः

स्थानः फुलेरा की एक गली।

समयः सुबह 11 बजे।

पात्रः 1. बेला, 10–11 साल की, स्कूल यूनिफार्म पहनी है।

2. साहिल, 10–11 साल का, स्कूल यूनिपार्म पहना है।

संवादः

बेलाः साहिल, पाँचवीं का रिज़ल्ट आया है न। अब तुम कहाँ पढ़ोगे?

साहिलः और तुम कहाँ पढ़ोगी बेला?

बेलाः मेरे पापा मुझे राजकीय कन्या पाठशाल में पढ़ानेवाले हैं।

साहिलः मुझे अगले साल अजमेर में भेज देंगे। वहाँ एक हॉस्टल है, घर से दूर वहाँ अकेले रहूँगा।

बेलाः क्यों साहिल?

साहिलः पता नहीं क्यों। तुम्हारी आँखों में आँसू क्यों आ रहे हैं बेला?

बेलाः मुझे क्या पता। तुम्हारी आँखें भी लाल हैं, डबडबा रही हैं। मैं चिढ़ाऊँ रोनी सूरत साहिल?

(दोनों मुस्कुरा रहे थे, लेकिन उनकी आँखें भर गई थीं।)

अथवा

सच्ची दोस्ती पर टिप्पणी

सच्ची दोस्ती से एक प्रकार का आत्मीय संबंध पैदा होता है। दोस्ती से आदमी ज़्यादा बलवान होता है।

सच्चा मित्र मिलना बड़े सौभाग्य की बात होती है। सच्चा मित्र किसी भी आपत्ति में अपने मित्र को छोड़कर नहीं जाता। वे सुख में हो या दुख में, साथ रहते हैं। कुछ लोगों की मित्रता सच्ची मित्रता नहीं होती। वैसे लगों की मित्रता लाभकारी नहीं होती। वे विपत्ति के समय हमारे साथ नहीं रहते। सच्चे मित्र आपस में सहायता भी देते हैं।

सच्ची मित्रता में जाति, धर्म आदि किसी भी अलगाव की भावना नहीं होती। वे विपत्ति के समय अच्छे उपदेश, आर्थिक, शारीरिक सहायता से हमारे साथ रहते हैं। सच्चे मित्रों से दूर रहना बहुत मुश्किल होता है।

मानव के लिए सच्चे मित्रों के बिना समाज में रहना भी मुश्किल है। बिछुड़ जाने पर, याने अलग होने पर हम दोस्ती का असली महत्व जानते हैं। समाज में जीने के लिए अच्छी दोस्ती बहुत सहायक होता है।

15. *खामोश हो जाना से तात्पर्य है – क) मौन हो जाना।* 1

16. मल्लाह के खामोश हो जाने का क्या प्रभाव लेखक पर हुआ?

मल्लाह की गज़लें सुनकर लेखक मोहन राकेश अपने को भूल गए थे। रात को 11 बजे, ठंड में वे दोनों (लेखक और मित्र अविनाश) झील के मध्य में रहते थे। जब बूढ़े मल्लाह ने गाना बंद किया उन्हें इन सारी बातें का अनुभव हो रहा था।

18. नमूने के अनुसार तालिका की पूर्ति– 1

रोशनी कुएँ पर आने लगी। प्रकाश कुएँ पर ***आने लगा।***

19. जाति प्रथा अभिशाप है– पोस्टरः 4

जातीय असमानता अभिशाप है
मनुष्य जन्म से नहीं, कर्म से महान बनता है।
अस्पृश्यता मानवता और ईश्वर के प्रति अपराध है।
भारत धर्मनिरपेक्ष प्रजातांत्रिक देश है।
सबको समानता का अधिकार प्राप्त हो।
धर्म और जाति के नाम भेदभाव कानूनी अपराध है।

अथवा

जातिप्रथा अभिशाप है – लघु लेख

जाति प्रथा सामाजिक अभिशाप है। मानव को जाति के आधार पर अलग करना, उन्हें उच्च या नीच मानना बिल्कुल गलत है।

समाज में जातीय असमानता आज भी कायम है। मनुष्य जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। जन्म के नाम पर जनता को अलग करना उनपर अत्याचार करना ठीक नहीं है। हमारा संविधान सभी जातियों को समान अधिकार दिया है। याने संविधान के अनुसार कोई भी जाति उच्च या निम्न नहीं होता। हमारा देश स्वतंत्र होकर 70 साल बीत जाने पर भी देश में जातीय असमानता और जाति के नाम पर अत्याचार चलता रहता है। किसी भी जाति को अस्पृश्य मानकर दूर रखना मानवाधिकार के खिलाफ है।

एक सच्चे देश के लिए उस देश के सभी लोगों को समानता का अधिकार मिलना चाहिए। किसी भी जाति या धर्म के नाम अलगाव की भावना अपराध है।

ravi. m., ghss, kadannappally, kannur, 670504. 9446427497